हमें बचाने के लिए परमेश्वर ने एक मेमने का प्रबन्ध किया।

बच्चो की मदद करे कि वे प्रभु भोज को सरा हे

बच्चों को सिखाने के लिए कोई भी कार्यक्रम चुनिए।

बड़ा बच्चा या अध्यापक, उत्पति 22:1-8 से अब्राहम और इसहाक की कहानी पढ़े या मौखिक रूप सुनाए।

यह कहानी बताती है कि किस तरह एक बालक की जान बचाने के लिए प्रभु ने मेमने का प्रबन्ध किया।

कहानी सुनाने के बाद यह प्रश्न पूछिए:

- परमेश्वर ने अब्राहम के विश्वास को कैसे परखा *(उत्तर देखिए पद 2)*
- अब्राहम ने परमेश्वर की आज्ञा कैसे मानी? *(पद 3)*
- जब वह रास्ते में थे तब इसहाक ने क्या प्रश्न किया? *(7)*
- अब्राहम ने इसहाक को क्या उत्तर दिया? *(8)*
- परमेश्वर ने अब्राहम को इसहाक को मारने से कैसे रोका *(11)*
- परमेश्वर ने बलि के लिए क्या इन्तजाम किया *(13)*
- परमेश्वर ने अब्राहम की आज्ञाकारी पर उसको क्या आशिर्वाद दिया *(16-18)*

व्याख्या करो कि प्रभु भोज में हम परमेश्वर के मेमने के बदन और लहू में शामील होते है, जो कि हमारे लिए मारा गया, जैसे इसहाक के लिए भेड़ बलिदान हुई।

उत्पति 22:1-18 से अब्राहम और इसहाक की कहानी का नाटक प्रस्तुत करें। कलिसिया के अगुवे की सहायता से आराधना के समय बड़ो के लिए यह नाटक प्रस्तुत करें। बच्चे नीचे लिखी कविता भी और उनके द्वारा तैयार किया गया चित्र भी प्रस्तुत करें।

- बड़े बच्चे और पुरूष (1) वर्णनकर्त्ता (2) फरिश्ता और (3) अब्राहम का पात्र करें जिसके हाथ में रस्सी और चाकू हो (या इनका दिखावा करे)
- जवान बच्चे इसहाक, इसहाक, मेमना (हाथ और घुटनो पर चलें) और सेवक (लकड़ियो का गठ्ठर लिए हुए) का पात्र निभाए।

वर्णनकर्त्ता: पद 1-6 से कहानी का पहला भाग बताएँ। कहो, "सुनो परमेश्वर अब्राहम से क्या कहता है"।

स्वर्गदूत: परमेश्वर तुम्हें आज्ञा देता है कि मोरिया पर्वत पर अपने पुत्र की बलि चढ़ाओ।

अब्राहम: ऊपर देखकर कहता है, हाँ प्रभु।

सेवको से कहता है, सेवको इसहाक को लाओ। लकड़ियाँ और चाकू भी लेते आना।

सेवक: जाते है और इसहाक, लकड़िया और, छुरी के साथ वापस आते है (दिखावा करते हैं) और अब्राहम को देते है।

अब्राहम: लकड़िया इसहाक की पीठ पर रखते हुए (दिखावा करते) और छुरी उठाते हुए इसहाक के साथ चलता है।

वर्णनकर्त्ता: पद 7-10 से कहानी का दूसरा भाग बताएँ। कहें "सुनो इसहाक क्या कहता है।"

इसहाक: "पिताजी, बलि के लिए मेमना कहाँ है"।

अब्राहमः "परमेश्वर मेमने का प्रबन्ध करेगा"।

इसहाकः एक कुर्सी या मेज पर लेट जाता है (बेदी)

अब्राहमः इसहाक को रस्सी से बान्धता है (दिखावा करे) छुरी ऊँची पकड़े हुए।

स्वर्गदूतः रूको, उसको मत मारो। मैं जानता हूँ कि तुम परमेश्वर का भय मानते हो क्योंकि तुमने मेरे लिए अपने पुत्र को भी नहीं रख छोड़ा।

वर्णनकर्त्ताः पद 11-18 से कहानी का तीसरा भाग बताएँ।

मेमनाः जोर से मिमयाता हुआ, उस स्थान की दूसरी ओर।

इसहाकः पिताजी देखो! एक मेंढ़ा झाड़ियो में फँसा हुआ है। परमेश्वर ने हमारे लिए होमबलि का प्रबन्ध किया है।

अब्राहमः इसहाक को खोला और कहा "मेमने को पकड़ लो और वेदी पर ले जाकर बाँध दो।

स्वर्गदूतः अब्राहम, परमेश्वर की आत्मिक वाचा सुनो। वह तुम्हें आज्ञाकारी होने के लिए आशीष देगा। तुम्हारे बहुत सारे वंशज होगे। उन्ही में से एक के द्वारा वह सारे देशों को आशीष देगा।

वर्णनकर्त्ताः उन सबका धन्यवाद जिन्होने नाटक में सहयोग दिया।

एक मेमने का चित्र बनाइए।

- बच्चे अपना चित्र आराधना के समय बड़ो को दिखाए और यह प्रदर्शित करें कि कैसे यीशु परमेश्वर का मेमना बना, हमारे पापो को मिटाने के लिए।
- बड़े बच्चे छोटे बच्चो की सहायता करें।

बच्चों से पूछे कि परमेश्वर का अब्राहम से किया वादा यीशु मसीह में आज कैसे पूरा हुआ। रोमियो 6:23 याद करें।

चार बच्चें भजनसंहिता अध्याय 27 पद 1, 2, 13 और 14 को दोहराए।

यहोवा मेरी ज्योति और मेरा उद्धार है मैं किससे डरूँ?

यहोवा मेरे जीवन का दृढ़ गढ़ है मैं किससे भयभीत होऊँ?

मैंने यहोवा से एक वर माँगा है, मैं उसी के यत्न में लगा रहूँगा कि मैं अपने जीवन भर यहोवा के भवन में ही निवास करने पाऊँ, यदि मुझे यह विश्वास न होता कि जीवितो की भूमि में यहोवा की भलाई को देखूँगा। यहोवा की प्रतिक्षा करता रह, हियाव बाँध और तेरा हृदय दृढ़ बना रहें। यहोवा की प्रतीक्षा करता रह।

बड़े बच्चे सप्ताह के दरमियान कविता या गीत लिखें जिसमें परमेश्वर द्वारा हमें बचाने के लिए मेमना दिया गया।

प्रार्थनाः प्यारे पिता, हम आपका धन्यवाद करते हैं कि आपने अपना हमे पुत्र दिया, परमेश्वर का मेमना, हमारे लिए मरने के लिए। उसका बलिदान महान है कि आपने हमारे पापों को क्षमा किया। जब हम प्रभु भोज खाते हैं, उस समय हमें यह बलिदान याद करने मे हमारी सहायता कर। हमें अब्राहम की तरह आज्ञाकारी बनने में मदद कर।

Copyright 2004 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net